पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून बुधवार 8 अप्रैल 2020 पेज 8

कोविड–19 के दृष्टिगत नगर निगम दून ने 40 लाख रुपए का चेक सीएम को देते हुए।

स्प्रे से व्यक्ति का पूरा शरीर किया जा रहा है सैनिटाइज

नया तरीका

संवाददाता

मंडी प्रशासन हरिद्वार ने बनाया गया सैनिटाइजर टनल, प्रवेश से पहले स्नान | मंडी प्रशासन ने फुटकर ग्राहकों पर रोक लगा दी

यह व्यवस्था बिलकुल भी व्यवहारिक नहीं

हरिद्वार। कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए हाथों को सैनिटाइज करने को कहा जा रहा है, लेकिन ज्वालापुर सब्जी मंडी आने वाले लोग सैनिटाइजर में स्नान करने के बाद ही अंदर प्रवेश कर पा रहे हैं। दरअसल, मंडी प्रशासन ने प्रवेश द्वार पर सैनिटाइजिंग टनल बनाई है। टनल में लगातार सैनिटाइजर का स्प्रे किया जा रहा है। ऐसे में मंडी में प्रवेश करने से पहले लोगों को टनल से गुजरना पड़ रहा है। वहीं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यह व्यवस्था बिलकुल भी व्यवहारिक नहीं है। इससे बेहतर होगा कि लोगों के हाथ सैनिटाइज कराए जाएं।

कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर किए गए लॉकडाउन के चलते ज्वालापुर सब्जी मंडी में रोजाना हजारों की संख्या में किसान, व्यापारी और आढ़तियों के साथ ही फुटकर ग्राहक भी पहुंच रहे हैं। हालांकि बढ़ती भीड़ को देखते हुए मंडी प्रशासन ने फुटकर ग्राहकों पर रोक लगा दी है। बावजूद इसके बड़ी संख्या में लोग मंडी आ रहे हैं। इससे कोरोना संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है। इससे बचने के लिए मंडी प्रशासन ने मुख्य द्वार पर सैनिटाइजिंग टनल बनाई है। टनल में चार नोजल से अल्कोहल युक्त सेनिटाइजिंग लिक्विड का स्प्रे किया जा रहा है। यहां खास बात यह है कि स्प्रे से व्यक्ति का पूरा शरीर सेनिटाइज किया जा रहा है। प्रयोग किए जा रहे लिक्विड में 70 प्रतिशत आर्गेनिक एथेनॉल, सोडियम हाइपोक्लोराइड और ग्लिसरीन आदि शामिल हैं।

राजकीय महिला चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संदीप निगम का कहना है कि मंडी समिति की ओर से किए गए उपाय व्यवहारिक नहीं हैं। सोडियम हाइपो क्लोराइड का इस्तेमाल फर्श, टेबल, कुर्सी आदि की सफाई के लिए होता है। जबकि, आर्गेनिक एथेनॉल बहुत अधिक ज्वलनशील होता है। ऐसे में आग के संपर्क में आने से हादसे की आशंका रहती है। कोरोना संक्रमण संक्रमित स्थान को छूने के बाद आंख, नाक और मुंह को छूने से होता है। ऐसे में हाथों को सैनिटाइज कराना उपयुक्त है। यदि स्प्रे की व्यवस्था ज्यादा उपयुक्त होती तो सबसे पहले इसका इस्तेमाल अस्पतालों में किया जाता।

मंडी समिति ज्वालापुर के सचिव दिग्विजय सिंह देव ने बताया कि यह लिक्विड मानव शरीर को सैनिटाइज करने के लिए उपयुक्त है। मंडी में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए सैनिटाइजिंग टनल से होकर गुजरना जरूरी है। शारीरिक दूरी का पालन करते हुए टनल से एक–एक व्यक्ति को गुजारा जा रहा है। इस व्यवस्था से मंडी में कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने में काफी मदद मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम दून ने 40 लाख सीएम कोष को दिए

संवाददाता देहरादून। कोविड–19 के दृष्टिगत नगर निगम दून ने 40 लाख रुपए का चेक नगर निगम बोर्ड फंड से एवं 11 लाख रुपए का चेक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतन से मुख्यमंत्री राहत कोष हेतु दिए हैं। यह चेक मेयर सुनील उनियाल गामा ने मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र को सौंपा। इस अवसर पर नगर आयुक्त देहरादून श्री विनय शंकर पांडे भी उपस्थित थे। भारतीय सेंसर बोर्ड के चेयरमैन एवं भारतीय सिनेमा के गीतकार श्री प्रसून जोशी ने भी कोविड–19 के दृष्टिगत मुख्यमंत्री राहत कोष हेतु 10 लाख रुपए दिए हैं।

विस अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिया एक माह का वेतन

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों में सहयोग करने हेतु तथा कोरोना महामारी से निपटने एवं जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए अपना एक माह का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में देने की घोषणा की है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा है कि कोरोना वायरस एक खतनाक संक्रमण है। इसके खात्मे के लिए काफी सारे धन की जरूरत है।

निधन पर गहरा दुःख जताया

संवाददाता देहरादून। बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य शारदा त्रिपाठी के पति की मृत्यु हो गयी है जिस पर आयोग की अध्यक्ष ऊषा नेगी ने दिवगंत आत्मा के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए सन्देश दिया की दुःख की इस घड़ी में वह देहरादून में न होने व हरियाणा में लॉकडाउन में फंसे होने के कारण शारदा के शोक संतप्त परिवार के साथ नहीं हूं। यहां जारी एक बयान में नेगी ने कहा है कि परन्तु मेरी संवेदनायें उनके परिवार के साथ हैं। परम पिता ईश्वर से प्रार्थना है कि वह दिवगंत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे।

कोरोना वायरस से बचाव को जागरूकता कार्यक्रम चलाया

संवाददाता देहरादून। विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के तत्वावधान में देश मे फैल रही वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से बचाव के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। इस अवसर पर जिसमें लोगों को मास्क व सैनिटाइजर वितरित किये जा रहे हैं साथ ही लोगों को घरों में रहने की सलाह दी जा रही है। राजधानी में विभिन्न सामाजिक संस्थायें भी पूरी तरह से कोरोना वायरस से बचाव के लिए सक्रिय हैं। इस अवसर पर लॉकडाउन में मिले छह घंटे की छूट के दौरान लोगों को कोरोना वायरस से बचाव की जानकारियां प्रदान किया जा रही हैं।

केन्द्र सरकार द्वारा सांसद निधि में दो साल तक रोक लगाया जाना गलतः प्रीतम

संवाददाता देहरादून। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व विधायक प्रीतम सिंह ने कहा है कि कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने के लिए मलिन बस्तियों में निवास कर रहे गरीब तबके के लोगों को खासतौर पर विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। मंगलवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के दौरे से पूर्व घंटाघर पर इलेक्ट्रॉनिक चैनलों को अपनी बाईट देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व विधायक प्रीतम सिंह ने कहा है कि कोरोना वायरस के संक्रमण के बचाव के लिए जहां सरकार के साथ ही साथ विपक्षी पार्टियों एवं अन्य पार्टियों के पदाधिकारी जहां एकजुट हैं वहीं कांग्रेस भी पूरी तरह से सरकार के साथ है। उन्होंने कहा कि इस आपदा की घड़ी में कांग्रेस भी व्यापक स्तर पर इस दिशा में अपने स्तर से कार्य कर रही है और जरूरमंदों व असहायों को लगातार भोजन व राशन का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा सांसद निधि में दो साल तक रोक लगाया जाना गलत है इस प्रक्रिया को पूरी तरह से बहाल किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस समय सांसद व विधायक निधि की खास जरूरत है इसके माध्यम से लोगों की सेवा व विकास कार्यों के लिए धन की आवश्यकता होती है सांसद निधि व विधायक निधि को स्थगित करने का कोई औचित्य नहीं है इस व्यवस्था को यथावत रखने की आवश्यकता है।

उत्तराखंड में जमाती बने हुए हैं मुसीबत का सबब

चुनौती

- डीजीपी की चेतावनी के बाद सामने आए 180 जमाती
- दो के खिलाफ हत्या की कोशिश का मुकदमा

देहरादून। **संवाददाता**

41 जमाती चोरी छुपे उत्तराखंड पहुंचे उन पर भी मुकदमा दर्ज

अशोक कुमार महानिदेशक अपराध और कानून व्यवस्था ने बताया कि एक से पांच अप्रैल के बीच 41 जमाती चोरी छुपे उत्तराखंड पहुंचे, उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

उत्तराखंड में 180 जमाती सामने आए हैं। इनमें सबसे अधिक हरिद्वार जिले के हैं, जिनकी संख्या 151 है। इसके अलावा नैनीताल में 12 देहरादून में 9 और पौड़ी में 8 जमाती सामने आए हैं। इसके साथ ही मंगलवार को सर्विलांस के जरिए दो जमाती हरिद्वार और रुड़की में पकड़े गए हैं। उनके खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।

उत्तराखंड में जमाती मुसीबत का सबब बने हुए हैं। अबतक दिल्ली और अन्य शहरों से लौटे जमातियों में रोजाना संक्रमण की पुष्टि होने से उत्तराखंड के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है। इसे देखते हुए डीजीपी अनिल रतूड़ी ने जमातियों को छह अप्रैल तक खुद सामने आने और इसके बाद पकड़े जाने पर हत्या का प्रयास की धारा लगाने की चेतावनी दी थी। इसके बाद प्रदेश में 180 जमाती सामने आए हैं। इनमें सबसे अधिक हरिद्वार जिले के हैं, जिनकी संख्या 151 है। इसके अलावा नैनीताल में 12 देहरादून में 9 और पौड़ी में 8 जमाती सामने आए हैं।

वहीं, मंगलवार को सर्विलांस के माध्यम से दो जमाती हरिद्वार और रुड़की में पकड़े गए उनके खिलाफ हत्या की कोशिश का मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि लक्सर में चार ऐसे लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है, जिन्होंने जमातियों को शरण दी थी।

वहीं सोशल मीडिया में अफवाह फैलाने वाले 44 लोगों के खिलाफ भी मुकदमे दर्ज किए गए हैं।

अनिवार्य पास व्यवस्था पर बिफरे कर्मी, बैंक न आने की दी चेतावनी

संवाददाता देहरादून। डीआइजी के बैंककर्मियों के लिए अनिवार्य पास बनवाने के निर्देश पर बैंकर्स में रोष व्याप्त है। बैंकर्स ने इस पर नाराजगी जताते हुए चेतावनी दी है कि बेवजह परेशान किया तो वह बैंक नहीं आएंगे। विगत रविवार को डीआइजी अरुण मोहन जोशी ने कहा था कि बैंक कर्मचारियों के लिए पास अनिवार्य होगा। बैंककर्मी अपने नजदीकी थाने से पास बनवा सकते हैं। पास में उनके आने–जाने का समय, स्थान और प्रयोग किए जाने वाले वाहन का विवरण होगा। इस पर बैंक कर्मियों ने कहा कि रोज सुबह आठ से शाम पांच बजे तक बैंक में काम कर रहे हैं। ऐसे में पास कब और कैसे बनवाएंगे।

जिले के अग्रणी बैंक पंजाब नेशनल बैंक के मैनेजर संजय भाटिया ने कहा कि बैंककर्मियों की ऑफिस आइडी पुलिस की चेकिंग के लिए पर्याप्त है। अगर सभी बैंककर्मी थाने में पास बनाने जाएंगे तो बैंक सेवा प्रभावित होने के साथ ही सोशल डिस्टेंस का पालन भी नहीं हो पाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।
फैक्स नं०–
0135-2650558
(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून
ही मान्य होगा।